खादी एवं ग्रामोद्योग द्वारा किए गए निर्यात

7002. **श्री राघवजी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा कितनी मात्रा में और कितने मूल्य का माल निर्यात किया गया और वह निर्यात किन-किन देशों को किया गया ;

(ख) क्या सरकार ने इन वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि करने के लिए कोई योजना तैयार की है ; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) के०वी०आई० उत्पादों का निर्यात मुख्यतया व्यवसायी निर्यातकों के माध्यम से किया जाता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग की संस्थाओं और विभागीय संस्थाओं द्वारा सीधे ही किया गया उद्योगवार तथा वर्षवार निर्यात नीचे दर्शाया गया है :—

(रु० लाख में)

उत्पाद	वर्ष		
	1990–91	1991–92	1992–93
हस्तनिर्मित कागज . . .	75.00	70.57	158.58
गामगुड़	122.00	175.19	158.37
फाइबर	30.00	35.00	27.00
पी सी पी आई	400.00	348.22	500.29
चमड़ा	2.00	—	—
योग :	629.00	628.98	844.24

जिन देशों को इन उत्पादों का निर्यात किया गया था उनमें यू०के०, जर्मनी, अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया, कनाडा नाइजीरिया, फ्रांस, यूरोप, इटली, आयरलैंड आदि शामिल हैं ।

(ख) और (ग) आयोग ने के०वी० आई उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के लिए अनेक उपाए किए हैं, जैसे कि :—

1. खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग ने गुणवत्ता तथा मात्रा की दृष्टि से सूती खादी का उत्पादन बढ़ाने के लिए नए माडल के चरखे और उन्नत करघे जैसे उन्नत उपकरण आरंभ किए हैं ।

2. कताईकारों के लिए नियमित व उत्कृष्ट कच्चा माल सुनिश्चित कराने के लिए देश के विभिन्न भागों में केन्द्रीय स्लाइवर संयंत्र स्थापित किए गए हैं।

3. खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग ने लागत में भागीदारी के आधार पर खादी उत्पादक संस्थाओं को शामिल करके विदेशों में प्रदर्शनियों में भाग लेकर विभिन्न प्रकार की खादी का निर्यात बढ़ाया है । खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग एफ आई०ई० ओ०, आई०टी० पी०आदि ओ०जैसे संगठनों से संपर्क बनाकर खादी तथा ग्रामोद्योग के निर्यात को बढ़ाने की योजना भी बना रहा है ।